Drishti IAS

करेंट अफेयर्स हरियाणा

(संग्रह)

फरवरी 2025

Drishti, 641, First Floor,
Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry: +91-87501-87501
Email: care@groupdrishti.in

अनुक्रम

हरियाणा **3**

- घग्घर जल 3
- गर्भिणी-दृष्टि 5
- म्हारी लाडो रेडियो कार्यक्रम 6
- हरियाणा IMA ने निलंबन वापस लिया 7
- अरावली सफारी पार्क 8
- बेरोज़गार युवाओं को सशक्त बनाने के लिये समझौता ज्ञापन 10
- 38वाँ सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय शिल्प मेला 11
- गुरु रविदास की जयंती 12
- गुरुग्राम में कचरा संकट 13
- ऑन्कोलॉजी कॉन्क्लेव 2025 14
- पराली जलाना 15
- हरियाणा राज्य सूचना आयोग में लंबित मामले 16
- RuTAG स्मार्ट विलेज सेंटर 17
- हरियाणा में शुरू होगी ई-लाइब्रेरी 18
- परिवार पहचान पत्र (PPP) 19
- हरियाणा के नए मुख्य सचिव 20
- भावांतर भरपाई योजना 21
- दिल्ली-अंबाला कॉरिडोर के लिये रेलवे का उन्नयन 21
- उत्कृष्टता केंद्र 22
- हरियाणा के ग्रामीण स्थानीय निकायों के लिये अनुदान 23
- अनुच्छेद 101 25
- 38वाँ सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय शिल्प मेला संपन्न 26
- अरावली जंगल सफारी 27
- पगड़ी संभाल जट्टा आंदोलन 28
- हरियाणा ने त्रिभाषा फार्मूला अपनाया 30
- ED ने हरियाणा में क्रिप्टोकरेंसी ज़ब्त की 31

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

हरियाणा

घग्घर जल

चर्चा में क्यों ?

राष्ट्रीय हरित अधिकरण (NGT) द्वारा गठित एक संयुक्त समिति ने पाया कि घग्गर नदी का जल नहाने के लिये अनुपयुक्त है। समिति ने नदी में बायोकेमिकल ऑक्सीजन डिमांड (BOD) का स्तर निर्धारित सीमा से **अधिक** पाया।

मुख्य बिंदु

- **सर्वेक्षण और नमूना संग्रहण:**
  - समिति के सदस्यों और विभाग के प्रतिनिधियों ने सुखना चोई में प्रदूषण स्रोतों की पहचान करने के लिये दिसंबर 2023 में एक सर्वेक्षण किया।
  - सर्वेक्षण से पता चला कि हरियाणा में मनसा देवी कॉम्प्लेक्स, राजीव कॉलोनी और इंदिरा कॉलोनी के साथ-साथ सोही बैंक्वेट हॉल के पास की झुग्गियाँ ठोस और तरल अपशिष्ट को सीधे तौर पर सीवर में छोड़ रही हैं।
  - समिति ने विकास नगर पुल पर पंचकूला नाले से नमूने एकत्रित किये, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि **BOD (बायोकेमिकल ऑक्सीजन डिमांड/ जैव रासायनिक ऑक्सीजन मांग)** और TSS (कुल निलंबित ठोस/ टोटल सस्पेंडेड सॉलिड्स) का स्तर अंतर्देशीय सतही जल निर्वहन के लिये पर्यावरणीय मानकों से अधिक था।
- **घग्गर नदी में प्रदूषण का स्तर:**
  - समिति ने ज़ीरकपुर में अंबाला-चंडीगढ़ राजमार्ग पुल के पास, जहाँ सुखना चोई नदी घग्गर नदी में मिलती है, घग्गर नदी के ऊपरी और निचले हिस्से से जल के नमूने एकत्र किये।
- **निष्कर्ष:**
  - pH मान बाहरी स्नान के लिये स्वीकार्य सीमा के भीतर थे।
  - दोनों स्थानों पर BOD का स्तर बाहरी स्नान के लिये प्राथमिक जल गुणवत्ता मानदंड को पूरा करने में विफल रहा।
- **अनुशंसाएँ:**
  - चंडीगढ़ नगर निगम को चाहिये कि:
    - नालियों की नियमित सफाई सुनिश्चित करना।
    - **ठोस अपशिष्ट को गिरने से रोकने के लिये उन पुलिया बिंदुओं पर लोहे की जालियाँ** लगाई जाएँगी जहाँ सड़कें नाले को पार करती हैं।
- **प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को चाहिये कि:**
  - सीवेज उपचार संयंत्रों (STP) का उचित **संचालन और रखरखाव सुनिश्चित करना।**
  - घग्गर नदी में **अनुपचारित अपशिष्ट के निपटान को रोका जाए।**
- **पंचकूला नगर निगम को चाहिये कि:**
  - सुनिश्चित करना कि एसटीपी कुशलतापूर्वक कार्य करें तथा नालियों के माध्यम से सुखना चोई में अनुपचारित अपशिष्ट को प्रवेश करने से रोकें।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

जैव रासायनिक ऑक्सीजन मांग (BOD)

- BOD, जल में कार्बनिक पदार्थों के चयापचय की जैविक प्रक्रिया में **सूक्ष्मजीवों द्वारा उपयोग की जाने वाली घुलित ऑक्सीजन की मात्रा है।**
- जितना **अधिक कार्बनिक पदार्थ** होगा (जैसे, सीवेज और प्रदूषित जल निकायों में), उतना **अधिक BOD होगा** ; और जितना अधिक BOD होगा, मछलियों जैसे उच्चतर पशुओं के लिये **घुलित ऑक्सीजन की मात्रा उतनी ही कम उपलब्ध होगी।**
- इसलिये BOD **किसी जल निकाय के जैविक प्रदूषण का एक विश्वसनीय माप है।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

गर्भिणी-दृष्टि

चर्चा में क्यों ?

भारत ने देश की पहली **फेरेट अनुसंधान सुविधा का उद्घाटन करके, गर्भ-इनि-दृष्टि डेटा रिपोजिटरी का शुभारंभ करके** तथा एक प्रमुख प्रौद्योगिकी हस्तांतरण समझौते को अंतिम रूप देकर, **अत्याधुनिक जैव-चिकित्सा अनुसंधान और नवाचार** के प्रति अपनी प्रतिबद्धता में एक बड़ा कदम आगे बढ़ाया है।

- यह कार्यक्रम **हरियाणा के फरीदाबाद स्थित NCR बायोटेक साइंस क्लस्टर स्थित ट्रांसलेशनल हेल्थ साइंस एंड टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट (THSTI)** में आयोजित किया गया।

मुख्य बिंदु

- **THSTI फेरेट अनुसंधान सुविधा:**
  - **भारत ने THSTI फेरेट अनुसंधान सुविधा का उद्घाटन किया, जो उच्चतम जैव सुरक्षा और अनुसंधान मानकों** का पालन करने वाली एक अत्याधुनिक स्थापना है।
  - यह सुविधा **टीकाकरण के विकास, चिकित्सीय परीक्षण और उभरते संक्रामक रोगों पर अनुसंधान में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है।**
  - यह **भारत की महामारी संबंधी तैयारी रणनीति** को **सशक्त** करता है और वैश्विक वैज्ञानिक अनुसंधान में इसकी स्थिति को बढ़ाता है।
- **गर्भ-इनि-दृष्टि:**
  - गर्भ-इनि-दृष्टि (GARBH-INi-DRISHTI) THSTI में एक अग्रणी **DBT डेटा रिपोजिटरी और सूचना साझाकरण केंद्र** है।
  - यह प्लेटफॉर्म **12,000 से अधिक गर्भवती महिलाओं, नवजात शिशुओं और प्रसवोत्तर माताओं से नैदानिक डेटा, चित्र और जैविक नमूनों की उपलब्धता प्रदान** करता है।
    - दक्षिण एशिया के सबसे बड़े मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य डेटाबेस में से एक के रूप में, यह शोधकर्त्ताओं को मातृ एवं नवजात स्वास्थ्य परिणामों में सुधार के लिये **परिवर्तनकारी अध्ययन करने में सक्षम बनाता है।**
  - यह पहल भारत के अग्रणी अनुसंधान संस्थानों और अस्पतालों के बीच सहयोगात्मक प्रयास का प्रतिनिधित्व करती है, जो एक प्रबल अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देती है।
- **प्रौद्योगिकी हस्तांतरण समझौता:**
  - THSTI ने अपने नवोन्मेषी **माइक्रोबियल कंसोर्टियम, लैक्टोबेसिलस क्रिस्पैटस के व्यावसायीकरण के लिये** मेसर्स **सुंद्योटा नुमांडिस प्रोबायोस्यूटिकल्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ** एक **प्रौद्योगिकी हस्तांतरण समझौते पर हस्ताक्षर किये।**
    - गर्भ-इनि समूह में नामांकित **महिलाओं के प्रजनन पथ से पृथक किया गया यह सिंथेटिक माइक्रोबियल संघ, न्यूट्रास्युटिकल अनुप्रयोगों के लिये अपार संभावनाएँ रखता है।**
  - **यह समझौता लक्षित माइक्रोबायोम-आधारित हस्तक्षेपों** के माध्यम द्वारा अनुसंधान को वास्तविक विश्व स्वास्थ्य समाधानों में परिवर्तित करने की सुविधा प्रदान करता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

गर्भ-इनि (GARBH-INi)

- **गर्भ-इनि (जन्म परिणामों पर उन्नत अनुसंधान के लिये अंत:विषय समूह-DBT इंडिया पहल) की शुरुआत वर्ष 2014 में जैव प्रौद्योगिकी विभाग (DBT)** द्वारा एक सहयोगात्मक अंत:विषय कार्यक्रम के रूप में की गई थी।
- यह **कार्यक्रम ट्रांसलेशनल हेल्थ साइंस एंड टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट (THSTI)**, NCR बायोटेक क्लस्टर, फरीदाबाद द्वारा संचालित किया जाता है।
- इसका उद्देश्य **समय से पूर्व जन्म (PTB) के जैविक और गैर-जैविक जोखिमों को स्पष्ट करना है,** ताकि **महत्त्वपूर्ण ज्ञान-संचालित हस्तक्षेप** और प्रौद्योगिकियों का निर्माण किया जा सके, जिन्हें इस रोग के लिये नैदानिक अभ्यास और समुदाय में स्थायी रूप से क्रियान्वित किया जा सके।

म्हारी लाडो रेडियो कार्यक्रम

चर्चा में क्यों ?

हरियाणा सरकार ने प्रमुख पहल **"म्हारी लाडो" रेडियो कार्यक्रम शुरू किया, जो** बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ (BBBP) योजना के तहत एक अनुकरणीय सफलता की कहानी बन गया है।

मुख्य बिंदु

- **बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ (BBBP) योजना:**
  - भारत सरकार ने 22 जनवरी, 2015 को **पानीपत, हरियाणा में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ (BBBP) योजना शुरू की गई।**
  - इस पहल का **उद्देश्य घटते** बाल लिंग अनुपात (CSR) को संबोधित करना और यह सुनिश्चित करना है कि **लड़कियों और महिलाओं को समान अवसर, देखभाल और सम्मान मिले।**
- **BBBP योजना के उद्देश्य:**
  - जागरूकता और हस्तक्षेप के माध्यम से जन्म के समय लिंग अनुपात में वृद्धि करना।
  - मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के लिये संस्थागत प्रसव में सुधार करना।
  - माध्यमिक शिक्षा में लड़कियों का नामांकन बढ़ाना तथा स्कूल छोड़ने की दर पर अंकुश लगाना।
  - मातृ कल्याण के लिये शीघ्र प्रसवपूर्व देखभाल (ANC) पंजीकरण को प्रोत्साहित करना।
  - सुरक्षित मासिक धर्म स्वच्छता और प्रबंधन (MHM) पर जागरूकता को बढ़ावा देना।
- **म्हारी लाडो रेडियो कार्यक्रम:**
  - इसे BBBP के तहत एक प्रमुख पहल के रूप में **16 अगस्त, 2024 को लॉन्च किया गया था।**
  - इस समुदाय-संचालित कार्यक्रम का **उद्देश्य लैंगिक असमानता को दूर करना, लड़कियों को सशक्त बनाना और हरियाणा में बेटियों के महत्त्व** को बढ़ावा देना है।
  - **प्रसारण कार्यक्रम:** प्रत्येक बुधवार और गुरुवार को आकाशवाणी (AIR) स्टेशनों- चंडीगढ़, हिसार, रोहतक और कुरुक्षेत्र पर।
  - **विषय-वस्तु का प्रारूप:** 15 मिनट के खंडों में लैंगिक समानता और सशक्तीकरण पर समुदायों को शामिल करने के लिये कहानियाँ, साक्षात्कार और चर्चाएँ शामिल हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **अधिकतम पहुँच के लिये लामबंदी रणनीतियाँ:**
  - हरियाणा सरकार ने कार्यक्रम की पहुँच बढ़ाने के लिये एक व्यापक दृष्टिकोण अपनाया।
- **प्रमुख हितधारकों ने समुदायों को संगठित किया:**
  - ज़िला कार्यक्रम अधिकारी (DPO) और बाल विकास परियोजना अधिकारी (CDPO)।
  - आँगनवाड़ी कार्यकर्त्ता और वन स्टॉप सेंटर (OSC), प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (PMMVY) और पोषण (POSHAN) अभियान के कर्मचारी।
  - आँगनवाड़ी केंद्रों पर सुनवाई सत्र आयोजित किये गए, जिनमें पुरुषों और महिलाओं दोनों को चर्चा में शामिल किया गया।
- **डिजिटल पहुँच:**
  - प्रतिभागियों को आसान पहुँच के लिये **"न्यूज़ ऑन AIR" ऐप** डाउनलोड करने के लिये प्रोत्साहित किया गया।
  - ऐप के उपयोग संबंधी दिशा-निर्देश व्हाट्सएप, टेलीफोन और ईमेल के माध्यम से साझा किये गए।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (PMMVY)

- यह **मातृत्व लाभ कार्यक्रम 1 जनवरी, 2017** से देश के सभी ज़िलों में क्रियान्वित किया गया।
- यह एक **केंद्र प्रायोजित योजना** है जिसका क्रियान्वयन महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा किया गया।
- गर्भवती महिलाओं को उनके बैंक खाते में सीधे **नकद लाभ प्रदान** किये जाते हैं, ताकि उनकी बढ़ी हुई पोषण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके और आंशिक रूप से मज़दूरी हानि की भरपाई की जा सके।

- **पोषण अभियान**
  - **पोषण (POSHAN) अभियान (राष्ट्रीय पोषण मिशन)** सरकार द्वारा 8 मार्च, 2018 को शुरू किया गया था।
  - अभियान का लक्ष्य **बौनापन, कुपोषण,** एनीमिया **(छोटे बच्चों, महिलाओं और किशोरियों में) को कम करना** तथा जन्म के समय कम वजन वाले बच्चों की संख्या में क्रमशः 2%, 2%, 3% और 2% प्रति वर्ष की कमी लाना है।
  - मिशन का लक्ष्य वर्ष 2022 तक 0-6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों में बौनेपन को 38.4% से घटाकर 25% तक लाना था।
- **पोषण 2.0:**
  - सरकार ने समान उद्देश्यों वाले विभिन्न कार्यक्रमों जैसे **पूरक पोषण कार्यक्रम** और पोषण अभियान को एक अम्ब्रेला-मिशन पोषण 2.0 के अंतर्गत समाहित कर दिया है, ताकि संचालन में तालमेल बनाया जा सके और पोषण सेवा तंत्र में **एकीकृत दृष्टिकोण अपनाया** जा सके।

हरियाणा IMA ने निलंबन वापस लिया

चर्चा में क्यों?

भारतीय चिकित्सा संघ (Indian Medical Association- IMA) की हरियाणा शाखा ने आयुष्मान भारत और चिरयु (CHIRYU) योजनाओं के तहत उपचार बंद करने का अपना आह्वान वापस ले लिया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

मुख्य बिंदु

- **सरकारी आश्वासन:**
  - IMA हरियाणा के पूर्व अध्यक्ष ने पुष्टि की कि **राज्य सरकार ने 31 मार्च, 2025 से पहले 200 करोड़ रुपए** की बकाया राशि का भुगतान करने का आश्वासन दिया है।
  - सरकार ने आगामी बजट **में आयुष्मान भारत और चिरयु योजनाओं के लिये बजट आवंटन बढ़ाकर लगभग 2,500 करोड़ रुपए करने का भी वादा किया।**
- **उपचार स्थगित करने के आह्वान को वापस लेना:**
  - IMA ने पहले ही धमकी दी थी कि **यदि भुगतान नहीं किया गया तो** 3 फरवरी, 2025 से दोनों योजनाओं के तहत **उपचार निलंबित** कर दिया गया।
  - सरकार के आश्वासन के बाद एसोसिएशन ने उपचार उपलब्ध कराना जारी रखने का निर्णय लिया।

भारतीय चिकित्सा संघ

- **भारतीय चिकित्सा संघ आधुनिक वैज्ञानिक चिकित्सा पद्धति के डॉक्टरों का** एकमात्र प्रतिनिधि, राष्ट्रीय स्वैच्छिक संगठन है, जो डॉक्टरों के हितों के साथ-साथ समुदाय के कल्याण का भी ध्यान रखता है।
- भारतीय चिकित्सा संघ **विश्व चिकित्सा संघ का संस्थापक सदस्य है।**
- IMA ने **1966 में नई दिल्ली** में डब्ल्यूएमए और IMA के संयुक्त तत्वावधान में **चिकित्सा शिक्षा पर तृतीय विश्व सम्मेलन की मेज़बानी की।**

आयुष्मान भारत

- वर्ष 2018 में शुरू किया गया **आयुष्मान भारत भारत सरकार का एक प्रमुख कार्यक्रम है, जो सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (UHC) के दृष्टिकोण को साकार करने के लिये राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017** की सिफारिशों के अनुरूप है।
- यह पहल **सतत विकास लक्ष्यों (SDG) के अनुरूप है,** जिसका उद्देश्य व्यापक **सतत देखभाल दृष्टिकोण के माध्यम से प्राथमिक, माध्यमिक और तृतीयक स्तरों पर स्वास्थ्य सेवा पहुंच में सुधार करना है।**
- आयुष्मान भारत में दो परस्पर संबंधित घटक शामिल हैं:
  - **आयुष्मान आरोग्य मंदिर** (पूर्व में स्वास्थ्य और कल्याण केंद्र या AB-HWCs) और **प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (PM-JAY)।**

अरावली सफारी पार्क

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में देश भर से कई सेवानिवृत्त **भारतीय वन सेवा अधिकारियों ने प्रधानमंत्री को एक ज्ञापन सौंपकर** गुरुग्राम और नूह के कुछ हिस्सों में **प्रस्तावित 10,000 एकड़ के अरावली सफारी पार्क परियोजना का** विरोध किया।

- उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि **पारिस्थितिकी-संवेदनशील क्षेत्र** में किसी भी हस्तक्षेप में विनाश के बजाए **"संरक्षण और पुनर्स्थापन"** को प्राथमिकता दी जानी चाहिये।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

मुख्य बिंदु

- **अरावली सफारी पार्क:**
  - यह परियोजना दुनिया की सबसे बड़ी परियोजना होगी। वर्तमान में अफ्रीका के बाहर सबसे बड़ा क्यूरेटेड सफारी पार्क **शारजाह** में है, जो फरवरी 2022 में खोला गया था, जिसका क्षेत्रफल लगभग दो हज़ार एकड़ है।
  - इसका उद्देश्य पर्यटन **को बढ़ावा देना तथा** स्थानीय लोगों के लिये रोज़गार के अवसर सृजित करना है।
- **पारिस्थितिकीय चिंताएँ:**
  - इस परियोजना से पारिस्थितिकी संवेदनशील क्षेत्र में **वाहनों का आवागमन** और निर्माण कार्य बढ़ने से पर्यावरण को हानि हो सकती है।
  - उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि अरावली की पहाड़ियाँ गुरुग्राम और नूंह के जल-संकटग्रस्त क्षेत्रों के लिये **महत्त्वपूर्ण जल भंडार** के रूप में काम करती हैं।
  - **पार्क में प्रस्तावित "अंडरवाटर जोन" जल स्तर को प्रभावित सकता है, जिससे उस** क्षेत्र में और जल की कमी हो सकती है, जिसे पहले से ही केंद्रीय भूजल बोर्ड **द्वारा "अतिदोहित" के रूप में वर्गीकृत किया गया है।**
- **कानूनी और पर्यावरणीय प्रतिबंध:**
  - इस बात पर ज़ोर दिया गया कि सफारी पार्क **"वन"** श्रेणी के अंतर्गत आता है, जहाँ पर्यावरण कानून **वनों की कटाई, भूमि की सफाई और निर्माण पर सख्त प्रतिबंध लगाते हैं।**
  - **उन्होंने** वन संरक्षण अधिनियम, 1980 **के तहत सर्वोच्च न्यायालय** और राष्ट्रीय हरित अधिकरण (NGT) के कई आदेशों का हवाला दिया, जो ऐसी गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाते हैं।
- हरियाणा के वन क्षेत्र और स्थिरता पर प्रभाव:
  - **हरियाणा में भारत में सबसे कम वन क्षेत्र है और** अरावली पर्वतमाला एक महत्त्वपूर्ण पारिस्थितिकी बफर के रूप में कार्य करती है।
  - अधिकारियों ने चेतावनी दी कि क्षेत्र में खनन और मानव बस्तियाँ पर्यावरण संतुलन को बिगाड़ देंगी, सतत विकास लक्ष्यों (SDG) **का** उल्लंघन करेंगी और दीर्घकालिक पारिस्थितिक स्थिरता को नुकसान पहुँचाएंगी।

पारिस्थितिकी संवेदनशील क्षेत्र:

- पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की राष्ट्रीय वन्यजीव कार्य योजना (2002-2016) में यह प्रावधान किया गया था कि राज्य सरकारों को पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के तहत **राष्ट्रीय उद्यानों और वन्यजीव अभयारण्यों की सीमाओं के 10 किलोमीटर के भीतर** आने वाले क्षेत्र को पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र (ESZ) **घोषित करना चाहिये।**
- जबकि **10 किलोमीटर का नियम एक सामान्य सिद्धांत के रूप में लागू किया जाता है,** इसके आवेदन की सीमा अलग-अलग हो सकती है। **10 किलोमीटर से परे के क्षेत्रों को भी केंद्र सरकार द्वारा ESZ के रूप में अधिसूचित किया जा सकता है,** अगर वे पारिस्थितिक रूप से महत्त्वपूर्ण **"संवेदनशील गलियारे" रखते हैं।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

अरावली पर्वतमाला

- उत्तर-पश्चिमी भारत की अरावली पर्वतमाला, जो **विश्व के सबसे पुराने** वलित पर्वतों **में से एक है, अब 300 से 900 मीटर की ऊँचाई वाले** अवशिष्ट पर्वतों का रूप ले चुकी है।
- इसका विस्तार **गुजरात के हिम्मतनगर से शुरू होकर हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली (** लगभग 720 किमी.) तक है।
- पर्वतों को **दो मुख्य श्रेणियों में विभाजित किया गया है- सांभर सिरोही श्रेणी और राजस्थान में सांभर खेतड़ी श्रेणी,** जहाँ इनका विस्तार लगभग 560 किलोमीटर है।
- दिल्ली से हरिद्वार तक फैली अरावली की छिपी हुई शाखा गंगा और सिंधु नदियों के जल निकासी के बीच विभाजन पैदा करती है
- यह एक वलित पर्वत है, **जिनमें चट्टानें मुख्य रूप से वलित भूपर्पटी से बनती हैं,** जब दो अभिसारी प्लेटें पर्वतजनित गति नामक प्रक्रिया द्वारा एक दूसरे की ओर गति करती हैं।
- अरावली की उत्पत्ति लाखों साल पहले हुई थी, जब भारतीय उपमहाद्वीप की मुख्य भूमि यूरेशियन प्लेट से टकराई थी। कार्बन डेटिंग से पता चला है कि **पर्वतमाला में खनन किये गए ताँबे और अन्य धातुएँ कम-से-कम 5वीं शताब्दी ईसा पूर्व की हैं।**

बेरोज़गार युवाओं को सशक्त बनाने के लिये समझौता ज्ञापन

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में, **अपैरल ट्रेनिंग एंड डिज़ाइन सेंटर (ATDC),** गुरुग्राम और **साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (SECL),** बिलासपुर ने आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्गों के वंचित युवाओं के लिये व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करने के लिये एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये।

मुख्य बिंदु

- **समझौते के बारे में:**
  - इस कार्यक्रम का उद्देश्य कौशल आधारित प्रशिक्षण प्रदान करके आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्गों के वंचित युवाओं का उत्थान करना है।
- CSR पहल:
  - यह पहल साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (SECL) के कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) प्रयासों का हिस्सा है।
    - इसके तहत 400 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित करने के लिये कुल 3.12 करोड़ रुपए आवंटित किये गये हैं।
- **प्रशिक्षण कार्यक्रम संरचना:**
- **गैर-आवासीय प्रशिक्षण:**
    - ATDC **स्वरोज़गार दर्जी कार्यक्रम** के तहत 300 उम्मीदवारों के लिये प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करेगा।
    - SECL **बिश्रामपुर, सोहागपुर और कोरबा क्षेत्र में प्रशिक्षण केंद्र स्थापित** किये जाएंगे।
- **आवासीय प्रशिक्षण:**
  - 100 अभ्यर्थियों को मध्य प्रदेश के **छिंदवाड़ा स्थित ATDC प्रशिक्षण केंद्र में पूर्णत: आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम से गुजरना होगा।**
  - इस कार्यक्रम में नि:शुल्क भोजन और आवास की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- अभ्यर्थियों का चयन SECL प्रतिष्ठानों के 25 किलोमीटर के दायरे से किया जाएगा।

- **उद्देश्य:**
  - कोयला मंत्रालय के मार्गदर्शन में इस पहल के उद्देश्य हैं:
    - कोयला क्षेत्र में वंचित युवाओं को सशक्त बनाना।
    - स्वरोज़गार और नौकरी के अवसर सृजित करना।
    - विकसित भारत के विज़न में योगदान देना।

कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR)

- सामान्य तौर पर CSR को **पर्यावरण पर कंपनी के प्रभाव** और **सामाजिक कल्याण पर प्रभाव** का आकलन करने और ज़िम्मेदारी लेने के लिये एक **कॉर्पोरेट पहल** के रूप में संदर्भित किया जा सकता है।
- यह एक स्व-विनियमन व्यवसाय मॉडल है जो किसी कंपनी को सामाजिक रूप से जवाबदेह बनने में मदद करता है। **कॉर्पोरेट सामाजिक ज़िम्मेदारी का पालन करके, कंपनियाँ आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय कारकों पर पड़ने वाले प्रभाव के प्रति सचेत रहती हैं।**
- भारत पहला देश है जिसने **कंपनी अधिनियम, 2013 के खंड 135** के अंतर्गत संभावित CSR गतिविधियों की पहचान के लिये रूपरेखा के साथ CSR को अनिवार्य बनाया है।
  - भारत के विपरीत, **अधिकांश देशों में स्वैच्छिक CSR व्यवस्थाएँ हैं। नॉर्वे और स्वीडन,** जो अनिवार्य CSR प्रावधानों की ओर बढ़ चुके हैं, ने स्वैच्छिक मॉडल के साथ शुरुआत की थी।

38वाँ सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय शिल्प मेला

चर्चा में क्यों ?

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री ने हरियाणा के **फरीदाबाद ज़िले** में 38वें **सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय शिल्प मेले** का उद्घाटन किया।

मुख्य बिंदु

- **सूरजकुंड मेले के बारे में:**
  - सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय शिल्प मेला **7 फरवरी से 23 फरवरी 2025** तक चलेगा।
  - इस कार्यक्रम में भारत और विश्व भर के **कारीगरों की कला, शिल्प कौशल** और प्रतिभा का प्रदर्शन किया जाएगा।
  - केंद्रीय मंत्री ने सूरजकुंड मेले को सिर्फ एक बाज़ार से कहीं अधिक बताते हुए प्राचीन शिल्पकला को संरक्षित करने और बढ़ावा देने में इसकी भूमिका पर प्रकाश डाला।
- हरियाणा में MICE पर्यटन की संभावनाएँ:
  - दिल्ली से हरियाणा की निकटता इसे रणनीतिक लाभ प्रदान करती है तथा इसे **MICE (बैठकें, प्रोत्साहन, सम्मेलन और प्रदर्शनियाँ)** पर्यटन के लिये एक आदर्श केंद्र बनाती है।
  - मंत्री ने राज्य को प्रोत्साहित किया:
    - डिजिटल मार्केटिंग के माध्यम से सूरजकुंड मेले की पहुँच का विस्तार करें।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- वैश्विक दृश्यता बढ़ाने के लिये यूट्यूबर्स, फोटोग्राफरों और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर को शामिल करें।
- डिजिटल प्रदर्शन के माध्यम से कारीगरों के लिये नए व्यावसायिक अवसर प्रदान करना।

- सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक:
  - हरियाणा के मुख्यमंत्री ने सूरजकुंड मेले को हरियाणा और भारत की समृद्ध विरासत का प्रतीक बताया।
  - उन्होंने इस आयोजन को वसुधैव कुटुम्बकम (विश्व एक परिवार है) का प्रतिबिंब बताया।
  - उन्होंने इस भव्य समारोह के सफल आयोजन के लिये हरियाणा पर्यटन विभाग, केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्रालय **तथा अन्य सहयोगी मंत्रालयों** को बधाई दी।

MICE (बैठकें, प्रोत्साहन, सम्मेलन और प्रदर्शनियाँ)

- MICE शब्द का उपयोग **पर्यटन और इवेंट उद्योग में** व्यवसाय और कॉर्पोरेट पर्यटन से संबंधित खंड को वर्गीकृत करने और उसका प्रतिनिधित्व करने के लिये किया जाता है।
  - MICE पर्यटन में कंपनियों और समूहों के लिये कार्यक्रम, बैठकें, सम्मेलन, प्रदर्शनियाँ और प्रोत्साहनों का आयोजन और मेज़बानी शामिल है।
- इन गतिविधियों का **उद्देश्य नेटवर्किंग, ज्ञान का आदान-प्रदान, व्यावसायिक सहयोग तथा व्यावसायिक संदर्भ में उत्पादों और सेवाओं का प्रदर्शन सुगम** बनाना है।

गुरु रविदास की जयंती

चर्चा में क्यों ?

हरियाणा के मुख्यमंत्री ने गुरु रविदास को उनकी जयंती पर शुभकामनाएँ और बधाई दी। गुरु रविदास जयंती माघ माह की पूर्णिमा तिथि को मनाई जाती है।

मुख्य बिंदु

- **संतों के सम्मान हेतु सरकारी पहल**
  - हरियाणा सरकार ने **संत-महापुरुष सम्मान और विचार प्रचार-प्रसार योजना** शुरू की।
    - इस पहल के तहत राज्य स्तर पर संतों और **महापुरुषों की जयंती** और शताब्दी मनाई जाएगी।
- **गुरु रविदास के बारे में:**
  - संत गुरु रविदास, जिनका **जन्म 1377 ई. में सीर गोवर्धनपुर, उत्तर प्रदेश** में हुआ था, एक संत, दार्शनिक, कवि और समाज सुधारक के रूप में पूजनीय हैं।
  - **रैदास, रोहिदास और रविदास जैसे विभिन्न नामों** से भी जाने जाते हैं और वे पारंपरिक रूप से **चमड़े के काम से जुड़े समुदाय** से संबंधित थे।
  - गुरु रविदास ने भक्ति आंदोलन में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया, **उन्होंने ईश्वर के प्रति समर्पण पर ज़ोर दिया और आध्यात्मिक समानता को बढ़ावा दिया।**
  - उनकी शिक्षाओं **में मानव अधिकार, समानता और आध्यात्मिक ज्ञान** पर ज़ोर दिया गया है।
  - **उनकी कुछ रचनाएँ** प्रतिष्ठित धर्मग्रंथ, गुरु ग्रंथ साहिब **जी में शामिल हैं,** जो उनके साहित्यिक और दार्शनिक महत्त्व को बढ़ाती हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

भक्ति आंदोलन

- भक्ति आंदोलन का विकास **तमिलनाडु में 7वीं और 9वीं शताब्दी के** बीच हुआ।
- यह नयनारों (शिव के भक्त) और अलवारों (विष्णु के भक्त) की भावनात्मक कविताओं में परिलक्षित होता है।
  - इन संतों ने धर्म को एक ठंडी औपचारिक पूजा के रूप में नहीं, बल्कि पूज्य और उपासक के बीच प्रेम पर आधारित एक प्रेमपूर्ण बंधन के रूप में देखा।
- समय के साथ दक्षिण के विचार उत्तर की ओर बढ़े लेकिन यह बहुत धीमी प्रक्रिया थी।
- **भक्ति विचारधारा को फैलाने के लिये एक अधिक प्रभावी तरीका स्थानीय भाषाओं का उपयोग था।** भक्ति संतों ने स्थानीय भाषाओं में अपने पद लिखे।
- उन्होंने **संस्कृत ग्रंथों का अनुवाद भी किया ताकि** उन्हें व्यापक दर्शकों के लिये समझने योग्य बनाया जा सके।
  - उदाहरणों में शामिल हैं ज्ञानदेव **ने मराठी में लिखा,** कबीर, सूरदास और तुलसीदास **ने हिंदी में,** शंकरदेव **ने असमिया को लोकप्रिय बनाया,** चैतन्य और चंडीदास **ने बंगाली में** अपना संदेश फैलाया, मीराबाई **ने हिंदी और राजस्थानी में** लेखन शामिल है।

गुरुग्राम में कचरा संकट

चर्चा में क्यों ?

गुरुग्राम नगर निगम द्वारा वर्ष 2024 के सर्वेक्षण में शहर में लगभग 100 अवैध डंपिंग स्थलों की पहचान की गई है, जिनमें गुरुग्राम-फरीदाबाद रोड के साथ अरावली सबसे अधिक प्रभावित हैं।

- वर्ष 2024 में अपशिष्ट संकट की घोषणा करने के बावजूद, अधिकारी 2021 से एक समर्पित अपशिष्ट संग्रह एजेंसी नियुक्त करने में विफल रहे हैं।

मुख्य बिंदु

- **मुद्दे के बारे में:**
  - लोकसभा **और** विधानसभा चुनावों के दौरान चर्चा के बावजूद अवैध डंपिंग का मुद्दा महत्त्वपूर्ण ध्यान आकर्षित करने में विफल रहा।
  - स्थिति बिगड़ने के कारण अब स्थानीय नेता स्पष्ट समाधान की मांग कर रहे हैं।
  - पर्यावरणविदों ने कार्रवाई की कमी की आलोचना करते हुए कहा कि गुरुग्राम एक विशाल कंक्रीट डंपयार्ड में बदल गया है।
  - अनियंत्रित मलबा डंपिंग के कारण **हरित पट्टी,** खाली स्थान और सड़कें अवरुद्ध हो रही हैं, जिससे **गंभीर** जलभराव **हो रहा है।**

अरावली पर्वत श्रेणी

- अरावली, **पृथ्वी पर सबसे पुराना वलित पर्वत है।** भूवैज्ञानिक अध्ययनों से पता चलता है कि यह तीन अरब साल पुराना है।
- यह **गुजरात से दिल्ली** (राजस्थान और हरियाणा से होकर) तक 800 किमी. से अधिक तक फैला हुआ है।
- अरावली पर्वतमाला की सबसे **ऊँची चोटी माउंट आबू पर स्थित गुरु शिखर है।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **जलवायु पर प्रभाव:**
  - अरावली पर्वतमाला का उत्तर-पश्चिम भारत और उससे आगे की जलवायु पर गहरा प्रभाव पड़ता है।
  - मानसून के दौरान, पर्वत शृंखला मानसून के बादलों को धीरे-धीरे पूर्व की ओर शिमला और नैनीताल की ओर ले जाती है, जिससे **उप-हिमालयी नदियों तथा उत्तर भारतीय मैदानों को पोषण मिलता है।**
  - सर्दियों के महीनों के दौरान, यह **सिंधु और गंगा की उपजाऊ जलोढ़ नदी घाटियों को मध्य एशिया से आने वाली** कठोर **ठंडी पश्चिमी हवाओं से बचाता है।**

ऑन्कोलॉजी कॉन्क्लेव 2025

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में **केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने** हरियाणा के **झज्जर स्थित AIIMS के राष्ट्रीय कैंसर संस्थान (NCI)** में **दूसरे AIIMS ऑन्कोलॉजी कॉन्क्लेव 2025 का** उद्घाटन किया।

मुख्य बिंदु

- **झज्जर संस्थान:**
  - झज्जर संस्थान **भारत की सबसे बड़ी सार्वजनिक वित्त पोषित स्वास्थ्य परियोजनाओं में से एक है।**
  - इसका **ध्यान कैंसर देखभाल को उन्नत** बनाने तथा अनुसंधान क्षमताओं को बढ़ाने पर केंद्रित है।

कैंसर

- यह एक जटिल और व्यापक शब्द है जिसका उपयोग शरीर में **असामान्य कोशिकाओं की अनियंत्रित वृद्धि और प्रसार से जुड़ी बीमारियों के समूह का वर्णन करने के लिये किया जाता है।**
  - ये **असामान्य कोशिकाएँ, जिन्हें कैंसर कोशिकाएँ कहा जाता है, स्वस्थ ऊतकों और अंगों पर** आक्रमण करने और उन्हें नष्ट करने की क्षमता रखती हैं।
- एक स्वस्थ शरीर में कोशिकाएँ नियमित रूप से बढ़ती, विभाजित और मरती हैं, जिससे ऊतकों और अंगों का सामान्य कामकाज होता रहता है।
  - हालाँकि कैंसर के मामले में, **कुछ आनुवंशिक उत्परिवर्तन या असामान्यताएँ इस सामान्य कोशिका चक्र को बाधित करती हैं,** जिससे कोशिकाएँ अनियंत्रित रूप से विभाजित और बढ़ती हैं।

- **ओन्कोलॉजी कॉन्क्लेव:**
  - दो दिवसीय सम्मेलन में भारत भर के राष्ट्रीय महत्त्व के संस्थानों (INI) के शीर्ष ऑन्कोलॉजी विशेषज्ञ एकत्रित हुए।
  - चर्चा कैंसर देखभाल में प्रगति, **उपचार पद्धतियों और चल रहे अनुसंधान पहलों पर केंद्रित थी।**
  - इस कार्यक्रम में **स्तन कैंसर** के साथ-साथ **सिर और गर्दन के कैंसर** की **रोकथाम और प्रबंधन** में सहयोगात्मक प्रयासों पर प्रकाश डाला गया।
- **संस्थान में नवाचार और अनुसंधान:**
  - यह केंद्र **स्टार्ट-अप्स** के साथ सहयोग करता है, Ph.D. शोधार्थियों को शामिल करता है तथा वैज्ञानिकों को अनुसंधान में शामिल करता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- इस **अनुसंधान का उद्देश्य वास्तविक दुनिया में ऐसे अनुप्रयोगों का निर्माण करना है** जो बाज़ार और समाज दोनों के लिये लाभकारी हों।

पराली जलाना

चर्चा में क्यों ?

जनवरी 2025 में प्रकाशित एक अध्ययन में, जो **क्षेत्र माप, वायु द्रव्यमान प्रक्षेप पथ और रासायनिक परिवहन मॉडल** पर आधारित था, पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने की **घटनाओं और** दिल्ली-एनसीआर में पीएम 2.5 सांद्रता के बीच **कोई रैखिक सहसंबंध नहीं पाया गया।**

प्रमुख बिंदु

- **पराली जलाने का सीमित प्रभाव:**
  - शोधकर्त्ताओं ने पाया कि **पंजाब और हरियाणा में फसल अवशेष जलाने से दिल्ली-एनसीआर में पीएम 2.5 का केवल 14% ही उत्सर्जन होता है,** जिससे यह प्रदूषण का एक नगण्य प्राथमिक स्रोत बन जाता है।
  - **वर्ष 2015 से 2023 तक पराली जलाने की घटनाओं में 50% की गिरावट** के बावजूद, दिल्ली-एनसीआर में पीएम 2.5 की सांद्रता काफी स्थिर रही, जो अन्य प्रमुख प्रदूषण स्रोतों का संकेत है।
- **वायु प्रदूषण पर वैज्ञानिक अवलोकन:**
  - **रिसर्च इंस्टीट्यूट फॉर ह्यूमैनिटी एंड नेचर (RIHN), क्योटो** के शोधकर्त्ताओं ने पुष्टि की है कि दिल्ली-एनसीआर में पीएम 2.5 में बदलाव पंजाब और हरियाणा में आग की संख्या से सीधे संबंधित नहीं है।
  - नवंबर के बाद पराली जलाना काफी हद तक बंद हो जाता है, फिर भी स्थिर हवाओं, कम ऊँचाइयों और विपरीत स्थितियों के कारण दिल्ली-एनसीआर का वायु गुणवत्ता सूचकांक 2016 से हर सर्दियों में "बहुत खराब" से "गंभीर" श्रेणी में रहता है।
- **प्रदूषण स्रोतों पर मुख्य निष्कर्ष:**
  - वर्ष 2023 में, दिल्ली-एनसीआर में रात में CO की सांद्रता **दिन की तुलना में 67% अधिक होगी,** जबकि 2022 में यह 48% होगी, जबकि पंजाब और हरियाणा में केवल पराली जलाने की अवधि के दौरान ही दिन-रात में स्पष्ट भिन्नता दिखाई देगी।
  - यहाँ तक कि फसल अवशेष जलाने के चरम मौसम (अक्तूबर-नवंबर) के दौरान भी, स्थानीय औद्योगिक और मानव जनित स्रोत पराली जलाने की तुलना में PM2.5 में अधिक योगदान करते हैं।
  - ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (GRAP) **चरण III और IV अवधि के** दौरान, परिवहन और निर्माण पर सख्त नियंत्रण से पीएम 2.5 के स्तर में काफी कमी आई, लेकिन प्रतिबंध हटने के बाद प्रदूषण का स्तर फिर से बढ़ गया।
- **दिल्ली-एनसीआर में पीएम 2.5 के प्रमुख योगदानकर्त्ता:**
  - परिवहन क्षेत्र – 30%
  - स्थानीय बायोमास जलाना – 23%
  - निर्माण एवं सड़क की धूल – 10%
  - पाककला और उद्योग – 5-7%
  - बेहिसाब स्रोत – 10%
  - पराली जलाना – 13% (केवल अक्तूबर-नवंबर में)

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (GRAP)

- **के बारे में:**
  - GRAP **में आपातकालीन उपाय शामिल हैं, जो दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र** में विशिष्ट सीमा तक पहुँचने के बाद वायु गुणवत्ता में गिरावट को रोकने के लिये तैयार किये गए हैं।
  - **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने वर्ष** 2017 में GRAP को अधिसूचित किया।
  - एनसीआर एवं आसपास के क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (CAQM) GRAP को क्रियान्वित करता है।
- **कार्यान्वयन:** इसे चार चरणों में कार्यान्वित किया जाता है:
- **GRAP की प्रकृति वृद्धिशील है,** इसलिये जब वायु गुणवत्ता 'खराब' से 'अत्यंत खराब' हो जाती है, तो दोनों धाराओं के अंतर्गत सूचीबद्ध उपायों का पालन करना होता है।

कणिकीय पदार्थ (PM)

- **पार्टिकुलेट मैटर या पीएम, हवा में निलंबित अत्यंत छोटे कणों और तरल बूंदों** के जटिल मिश्रण को संदर्भित करता है। ये कण कई आकारों में आते हैं और सैकड़ों अलग-अलग यौगिकों से बने हो सकते हैं।
  - **पी.एम.10 (मोटे कण)** - 10 माइक्रोमीटर या उससे कम व्यास वाले कण।
  - **पी.एम.2.5 (सूक्ष्म कण)** - 2.5 माइक्रोमीटर या उससे कम व्यास वाले कण।

हरियाणा राज्य सूचना आयोग में लंबित मामले

चर्चा में क्यों ?

सूचना के अधिकार (RTI) के तहत मिले जवाब के अनुसार, हरियाणा राज्य सूचना आयोग **7,000 से अधिक अपील मामलों का लंबित निपटारा कर रहा है। अधिकारियों को सूचना देने में देरी** के लिये राज्य लोक सूचना अधिकारियों पर लगाए गए जुर्माने के रूप में 2.84 करोड़ रुपए अभी भी वसूलने हैं।

प्रमुख बिंदु

- **लंबित अपील मामले:**
  - जनवरी 2024 में मुख्य सूचना आयुक्त और सात राज्य सूचना आयुक्तों के समक्ष **8,340 अपील मामले लंबित थे।**
  - **दिसंबर 2024 तक** यह संख्या घटकर 7,216 हो गई तथा **एक वर्ष में केवल लगभग 1,000 मामले ही सुलझाए गए।**
- **सीमित जागरूकता अभियान:**
  - RTI के जवाब के अनुसार, **2005 से अब तक केवल पाँच कार्यशालाएँ आयोजित की गई हैं,** जिनमें 896 प्रतिभागियों ने भाग लिया था, जिनमें से अंतिम कार्यशाला 2011 में पंचकूला में आयोजित की गई थी।
- **जुर्माना और वसूली का विवरण:**
  - पिछले 20 वर्षों में आयोग ने सूचना उपलब्ध कराने में देरी के 3,611 मामलों में 5.86 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया है।
    - हालाँकि, अब तक केवल 2.84 करोड़ रुपए ही वसूले जा सके हैं।
  - आयोग ने समय पर सूचना उपलब्ध न कराने के कारण 1,974 मामलों में 92 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

सूचना का अधिकार (RTI) अधिनियम

- **के बारे में:**
  - सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 सरकारी सूचना के लिये नागरिकों के अनुरोधों पर समय पर प्रतिक्रिया देने का प्रावधान करता है।
  - सूचना का अधिकार अधिनियम का मूल उद्देश्य नागरिकों को सशक्त बनाना, सरकार के कामकाज़ में **पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देना, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाना तथा हमारे लोकतंत्र को वास्तविक अर्थों में लोगों के लिये काम करने योग्य बनाना है।**
- **सूचना का अधिकार (संशोधन) अधिनियम, 2019:**
  - इसमें प्रावधान किया गया कि **मुख्य सूचना आयुक्त और सूचना आयुक्त** (केंद्र और राज्य दोनों के) केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित अवधि तक पद पर बने रहेंगे। इस संशोधन से पहले उनका कार्यकाल 5 वर्ष निर्धारित था।
  - इसमें प्रावधान किया गया कि **मुख्य सूचना आयुक्त और सूचना आयुक्त** (केन्द्र तथा राज्य के) के वेतन, भत्ते और अन्य सेवा शर्तें केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित की जाएंगी।
  - इसने मुख्य सूचना आयुक्त, सूचना आयुक्त, राज्य मुख्य सूचना आयुक्त और राज्य सूचना आयुक्त के वेतन में कटौती से संबंधित प्रावधानों को हटा दिया, जो उनकी पिछली सरकारी सेवा के दौरान प्राप्त पेंशन या किसी अन्य सेवानिवृत्ति लाभ के कारण होता था।
  - RTI (संशोधन) अधिनियम, 2019 की आलोचना इस आधार पर की गई कि यह कानून को कमज़ोर करता है और केंद्र सरकार को अधिक शक्तियाँ देता है।

RuTAG स्मार्ट विलेज सेंटर

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में **हरियाणा के सोनीपत** के मंडौरा गाँव में **ग्रामीण प्रौद्योगिकी कार्रवाई समूह (RuTAG) स्मार्ट ग्राम केंद्र (RSVC का शुभारंभ किया गया।**

प्रमुख बिंदु

- **RSVC के बारे में:**
  - RuTAG स्मार्ट विलेज सेंटर (RSVC) का उद्देश्य **ग्रामीण क्षेत्रों में रोज़मर्रा की चुनौतियों को हल करने के लिये अभिनव समाधान प्रस्तुत करना है,** जैसे पशु हस्तक्षेप को रोकना, जैविक खेती को बढ़ावा देना और बेकरी उत्पादन जैसे छोटे व्यवसायों का समर्थन करना।
  - यह केंद्र **किसानों, कारीगरों और ग्रामीण उद्यमियों को** सीधे उनके दरवाज़े तक **प्रौद्योगिकी समाधान उपलब्ध कराकर** लाभान्वित करेगा।
- **तकनीकी समाधान:**
  - प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार के कार्यालय के तहत विकसित, RSVC **खेती के लिये उपग्रह डेटा, जल निगरानी किट, सौर ऊर्जा, इंटरनेट ऑफ थिंग्स अनुप्रयोग और जैविक उर्वरक जैसी प्रौद्योगिकियों को पेश करेगा।**
  - इस पहल में **दिव्यांग व्यक्तियों के लिये सहायक प्रौद्योगिकियाँ और वित्तीय समावेशन ऐप भी शामिल हैं,** जिससे सभी के लिये आधुनिक प्रगति तक पहुँच सुनिश्चित होगी।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- यह उन्नत कृषि पद्धतियों, अपशिष्ट प्रबंधन, नवीकरणीय ऊर्जा समाधान और वहनीय आवास नवाचारों के साथ ग्रामीण चुनौतियों का समाधान करेगा।
- किसानों को उन्नत कटाई-पश्चात प्रौद्योगिकियों से लाभ मिलेगा और केंद्र नागरिक-केंद्रित ऐप्स के माध्यम से सरकारी कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान करेगा।
- इस पहल से बाज़ार तक पहुँच में सुधार होने से स्थानीय कारीगरों और किसानों की आय भी बढ़ेगी।

◆ यह केंद्र IIT मद्रास और **सहायक प्रौद्योगिकी फाउंडेशन जैसे संस्थानों के साथ मिलकर** बेकरी, ब्रेड बनाने और वित्तीय साक्षरता सहित विभिन्न कौशलों में व्यावहारिक समाधान और प्रशिक्षण प्रदान करेगा।

- **सरकारी एवं संस्थागत सहायता:**
  - यह पहल ग्रामीण कल्याण को बढ़ाने के लिये **ग्रामीण विकास, कृषि, पशुपालन और श्रम मंत्रालयों के साथ मिलकर काम करती है।**
  - भारत भर में RSVC का विस्तार करने की योजना है तथा 20 और केंद्रों का विकास किया जा रहा है।
  - **"टेकप्रिन्योर्स" कार्यक्रम महिलाओं को** अपने समुदायों में इन प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने के लिये सशक्त करेगा, जिससे स्थायित्व और दीर्घकालिक सफलता सुनिश्चित होगी।

ग्रामीण प्रौद्योगिकी कार्य समूह (RuTAG)

- RuTAG वर्ष 2004 से **प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार (PSA)** कार्यालय की एक पहल है।
- इसकी संकल्पना **ग्रामीण क्षेत्रों के लिये उच्च स्तर के विज्ञान और प्रौद्योगिकी हस्तक्षेप और समर्थन प्रदान करने के तंत्र के रूप में की गई थी।**
- इस पहल के तहत, हस्तक्षेपों को मुख्य रूप से **मांग-संचालित बनाया गया है, जिसमें जमीनी स्तर पर प्रौद्योगिकी अंतराल को पाटने, प्रौद्योगिकी को उन्नत करने** और नवीन परियोजनाओं के माध्यम से प्रशिक्षण और प्रदर्शन प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

हरियाणा में शुरू होगी ई-लाइब्रेरी

चर्चा में क्यों?

हरियाणा सरकार डिजिटल शिक्षा में **सुधार** के लिये **गुरुग्राम के** सरकारी **कॉलेजों में** ई-लाइब्रेरी शुरू कर रही है।

प्रमुख बिंदु

- **ई-लाइब्रेरी के लाभ:**
  - छात्रों को **हज़ारों डिजिटल पुस्तकों, शोध पत्रों, पत्रिकाओं और व्याख्यानों तक पहुँच प्राप्त होगी।**
  - वे अपने फोन या लैपटॉप पर **विशिष्ट लॉगिन क्रेडेंशियल** का उपयोग करके अध्ययन सामग्री ब्राउज़ और डाउनलोड कर सकते हैं।
  - यह पहल **भौतिक पुस्तकों की सीमा को समाप्त करती है** तथा एक ही समय में कई छात्रों को एक ही संसाधन का उपयोग करने की अनुमति देती है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **गुरुग्राम विश्वविद्यालय में ई-लाइब्रेरी मॉडल की सफलता:**
  - गुरुग्राम विश्वविद्यालय (GU) ने पहले ही ई-लाइब्रेरी मॉडल को बड़ी सफलता के साथ लागू कर दिया है। GU के छात्रों के पास वर्तमान में निम्नलिखित सुविधाएँ उपलब्ध हैं:
    - 17,000 ई-पुस्तकें
    - 8,800 ई-पत्रिकाएँ
    - 130,000 ई-व्याख्यान
    - 748,000 थीसिस
    - 2,200 रिपोर्ट
    - 2,600 विशेषज्ञ वार्ता
- **आधुनिक शिक्षा की ओर कदम:**
  - ज़िला मौलिक शिक्षा अधिकारी ने इस बात पर ज़ोर दिया कि ई-लाइब्रेरी विद्यार्थियों को **नवीनतम शैक्षणिक शोध और वैश्विक अध्ययन से अपडेट रहने में मदद करेगी।**
  - इस पहल को हरियाणा में **उच्च शिक्षा में सुधार की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम बताया गया है।**

परिवार पहचान पत्र (PPP)

चर्चा में क्यों ?

हरियाणा **परिवार पहचान प्राधिकरण ने** परिवार पहचान पत्र संबंधी डाटा साझा करने के संबंध में सख्त नियम जारी किये।

- ये नए विनियम उन शर्तों को परिभाषित करते हैं जिनके अंतर्गत **पारिवारिक सूचना डाटा भंडार से पारिवारिक जानकारी को** व्यक्तिगत गोपनीयता की रक्षा करते हुए सरकारी संस्थाओं के साथ साझा किया जा सकता है।

मुख्य बिंदु

- **डाटा साझा करने का उद्देश्य** : साझा किये गए डाटा का उपयोग केवल सरकारी कार्यक्रमों, भर्ती सत्यापन और सार्वजनिक सेवा लाभों के लिये किया जा सकता है।
- **प्रतिबंधित डाटा साझाकरण** : डाटा केवल **'पात्र राज्य संस्थाओं' के साथ साझा किया जा सकता है,** जिसमें **केंद्र सरकार, हरियाणा राज्य सरकार, वैधानिक प्राधिकरण, विश्वविद्यालय, बोर्ड, निगम** और अन्य सरकार-नियंत्रित एजेंसियाँ शामिल हैं।
- **पारिवारिक पहचान: प्रत्येक परिवार को आठ अंकों की पारिवारिक पहचान** मिलेगी, जो **जन्म, मृत्यु** और **विवाह प्रमाण-पत्र** जैसे आवश्यक अभिलेखों से जुड़ी होगी।
  - जब भी कोई जीवन घटना जैसे **जन्म, मृत्यु** या **विवाह** घटित होगी, तो परिवार **आईडी स्वचालित रूप से अपडेट हो जाएगी।**
- **सरकारी योजनाओं के साथ एकीकरण:** डाटा बेस को **छात्रवृत्ति, सब्सिडी** और **पेंशन सहित विभिन्न स्वतंत्र योजनाओं से जोड़ा जाएगा,** जिससे लाभार्थी चयन में स्थिरता और सटीकता सुनिश्चित होगी।
- **स्वचालित लाभार्थी चयन:** PPP डाटा बेस में डाटा पात्रता का निर्धारण करेगा, जिससे **सरकारी लाभों के लिये स्वचालित स्व-चयन की अनुमति मिलेगी।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **बार-बार दस्तावेज़ीकरण की आवश्यकता समाप्त:** एक बार प्रमाणीकरण और सत्यापन हो जाने के बाद, लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं के लिये अलग-अलग दस्तावेज़ प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं होगी।

नोट: पीपीपी पहल डिजिटल गवर्नेंस की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है और इसका उद्देश्य हरियाणा के निवासियों के लिये सरकारी कल्याणकारी योजनाओं तक पहुँच को सरल बनाना है।

हरियाणा के नए मुख्य सचिव

चर्चा में क्यों ?

हरियाणा सरकार ने 1990 बैच के आईएएस अधिकारी अनुराग रस्तोगी को **राज्य का नया** मुख्य सचिव नियुक्त किया।

मुख्य बिंदु

- **नई नियुक्तियाँ:**
- प्रमुख शासन सचिव:
  - **सरकारी आदेश के अनुसार अनुराग रस्तोगी को हरियाणा का मुख्य सचिव** नियुक्त किया गया है।
  - **वह वित्त आयुक्त, राजस्व तथा अतिरिक्त मुख्य सचिव (** वित्त एवं योजना **)** का कार्यभार संभालते रहेंगे।
- **निर्वाचन आयोग:**
  - **ज्ञानेश कुमार को अगला मुख्य चुनाव आयुक्त** नियुक्त किया गया।
  - **विवेक जोशी को भारत निर्वाचन आयोग** में **चुनाव आयुक्त** नियुक्त किया गया है।

राज्य के मुख्य सचिव

- **नियुक्ति:**
  - मुख्य सचिव का चयन **मुख्यमंत्री द्वारा किया जाता है।** चूंकि मुख्य सचिव की नियुक्ति मुख्यमंत्री की कार्यकारी कार्रवाई है, इसलिये यह **राज्य के** राज्यपाल **के नाम पर की जाती है।**
- **पद:**
  - मुख्य सचिव का पद भारत के राज्यों **और केंद्रशासित प्रदेशों की सिविल सेवाओं में सबसे वरिष्ठ पद है।**
  - यह पद भारतीय प्रशासनिक सेवा का कैडर पद है।
  - मुख्य सचिव मंत्रिमंडल के **सभी मामलों में मुख्यमंत्री का मुख्य सलाहकार होता है।**
- **कार्यकाल:**
  - मुख्य सचिव के कार्यालय को **कार्यकाल प्रणाली के संचालन से बाहर रखा गया है।** इस पद के लिये **कोई निश्चित कार्यकाल नहीं** है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

भावांतर भरपाई योजना

चर्चा में क्यों ?

हरियाणा के मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि राज्य अब **आलू उत्पादकों को** भावांतर भरपाई योजना **का** लाभ देगा। यह निर्णय **किसानों को मूल्य में उतार-चढ़ाव से बचाएगा और आवश्यक वित्तीय सहायता सुनिश्चित करेगा।**

मुख्य बिंदु

- **वित्तीय सहायता का वितरण:**
  - सरकार ने इस योजना के तहत वित्त वर्ष 2023-24 के लिये **किसानों को 46.34 करोड़ रुपए की राशि सफलतापूर्वक वितरित की है।**
- **भावांतर भरपाई योजना के बारे में:**
  - हरियाणा सरकार ने बाज़ार मूल्य में गिरावट के कारण **किसानों को होने वाले वित्तीय नुकसान से बचाने के लिये यह योजना शुरू की।**
  - इस योजना में **21** बागवानी फसलें शामिल हैं:
    - 5 फल फसलें
    - 14 सब्ज़ी फसलें
    - 2 मसाला फसलें
- **वर्तमान पंजीकरण और सहायता:**
  - इस योजना के तहत 3,15,614 किसानों ने 7,02,220 एकड़ भूमि पंजीकृत कराई है।
  - सरकार ने 24,385 किसानों को 110 करोड़ रुपए से अधिक की वित्तीय सहायता प्रदान की है।
- **आलू किसानों के लिये सलाह:**
  - किसानों को सलाह दी गई है कि यदि बाज़ार में आलू की कीमतें गिरती हैं तो वे अपनी उपज और आय की सुरक्षा के लिये **अपनी आलू की फसल को कोल्ड स्टोरेज में रखें।**
- **प्रक्रिया:**
  - किसानों को अपनी फसल का पंजीकरण **"**मेरी फसल मेरा ब्योरा**" पोर्टल पर अवश्य कराना होगा।**
  - बागवानी विभाग लाभ ज़ारी करने से पहले विवरणों का सत्यापन करता है।
  - इस योजना में भूस्वामियों, पट्टेदारों और किरायेदारों को शामिल किया गया है, जिससे किसानों को व्यापक समर्थन सुनिश्चित हुआ है।

दिल्ली-अंबाला कॉरिडोर के लिये रेलवे का उन्नयन

चर्चा में क्यों ?

दिल्ली-अंबाला रेल कॉरिडोर **पर बढ़ते भार को** देखते हुए **रेल मंत्रालय ने** मौजूदा **दो-ट्रैक प्रणाली को चार-लाइन कॉरिडोर में अपग्रेड करने** की **योजना** बनाई है।

- रेलवे अधिकारियों ने परियोजना के विवरण पर चर्चा करने के लिये **उपायुक्तों की अध्यक्षता** में **पानीपत और सोनीपत में** ज़िला प्रशासन **के अधिकारियों के साथ बैठक की।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

मुख्य बिंदु

- **विस्तार की आवश्यकता:**
  - सोनीपत के उपायुक्त ने बढ़ते रेल भार के कारण दिल्ली-अंबाला रेल कॉरिडोर के विस्तार की तत्काल आवश्यकता पर ज़ोर दिया।
  - वर्तमान दो-ट्रैक प्रणाली अपर्याप्त है, जिसके कारण रेल मंत्रालय **को** दिल्ली से अंबाला तक 193.6 किलोमीटर लंबे कॉरिडोर के विस्तार की योजना बनानी पड़ी है।
- **परियोजना का दायरा और लागत:**
  - इस विस्तार में मार्ग के **32 रेलवे स्टेशनों** पर विकास कार्य शामिल होगा।
  - इस परियोजना की अनुमानित लागत 7,074 करोड़ रुपए है तथा इसे चार वर्षों में पूरा करने का लक्ष्य है।
- **भूमि अधिग्रहण विवरण:**
  - विस्तार के लिये 15 गाँवों की 11 हेक्टेयर भूमि की आवश्यकता है:
  - समालखा खंड में 8 गाँव
  - पानीपत में 7 गाँव
  - प्रशासन **भूस्वामियों को उचित मुआवज़ा सुनिश्चित करेगा।**
- **रेलवे का भूमि प्रस्ताव:**
  - परियोजना के लिये 85 हेक्टेयर भूमि की आवश्यकता है, जिसमें शामिल हैं:
    - 80 हेक्टेयर निजी भूमि
    - 5 हेक्टेयर सरकारी भूमि
  - पूरा होने पर **उन्नत कॉरिडोर** जनता के लिये काफी बेहतर सुविधाएँ प्रदान करेगा।

भारतीय रेल

- भारतीय रेलवे की **स्थापना 1853 में हुई थी** और यह दुनिया के सबसे बड़े रेलवे नेटवर्क में से एक है।
- भारतीय उपमहाद्वीप पर पहला रेलमार्ग **बम्बई से थाणे तक 21 मील की दूरी तक फैला था।**
- **अनुमान है कि 2050 तक कुल वैश्विक रेल गतिविधि में** भारत की हिस्सेदारी 40% होगी।
- भारतीय रेलवे ने आधुनिक रेलवे प्रणाली विकसित करने के लिये **भारत के लिये राष्ट्रीय रेल योजना (NRP)-2030 तैयार की है।**

उत्कृष्टता केंद्र

चर्चा में क्यों ?

हरियाणा के खेल मंत्री ने कहा कि सरकार राज्य में **उन्नत खेल सुविधाएँ प्रदान करने के लिये प्रयास तेज़ कर रही है, जिससे खिलाड़ियों को ओलंपिक,** विश्व चैंपियनशिप **और** राष्ट्रमंडल खेलों **जैसी वैश्विक प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन करने में मदद मिलेगी।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

मुख्य बिंदु

- **बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली:**
  - सरकार राज्य भर की **खेल** नर्सरियों **में पारदर्शिता बढ़ाने के लिये बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली शुरू करेगी।**
  - यह प्रणाली सबसे पहले **पंचकूला के ताऊ देवी लाल खेल स्टेडियम में लागू की जाएगी** तथा बाद में इसे हरियाणा के अन्य स्टेडियमों और खेल नर्सरियों वाले स्कूलों में भी लागू किया जाएगा।
  - इस पहल का उद्देश्य यह **सुनिश्चित करना है कि आहार भत्ता** केवल पात्र खिलाड़ियों को ही वितरित किया जाए।
- **खिलाड़ियों के लिये बीमा कवरेज:**
  - खेल विभाग **खिलाड़ियों को बीमा कवरेज प्रदान करेगा।**
  - इससे प्रशिक्षण या प्रतियोगिता के दौरान **चोट लगने की स्थिति में उचित उपचार सुनिश्चित हो सकेगा।**
- **खेल अवसंरचना में सुधार:**
  - ज़िला स्तर तथा ब्लॉक स्तर पर राजीव गांधी खेल स्टेडियमों का रखरखाव एवं मरम्मत किया जाएगा।
  - खेल सुविधाओं को बढ़ाने के लिये **स्वच्छता और खेल के मैदानों के जीर्णोद्धार** पर ध्यान दिया जाएगा।
  - बहुउद्देशीय हॉल और अन्य सुविधाओं का समय पर निर्माण सुनिश्चित करने के लिये खेल विभाग के इंजीनियरिंग विंग को मज़बूत किया जाएगा।
- **उत्कृष्टता केंद्रों की स्थापना:**
  - **सोनीपत में कुश्ती उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किया जाएगा,** जबकि **पानीपत** में मुक्केबाज़ी **उत्कृष्टता केंद्र** स्थापित किया जाएगा।
  - दोनों केंद्रों में छात्रावास की सुविधा होगी, जिससे एथलीटों को अपने प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलेगी।
  - मार्शल आर्ट प्रशिक्षण को बढ़ावा देने के लिये **यमुनानगर में बंदा सिंह बहादुर मार्शल आर्ट स्कूल स्थापित किया जाएगा।**
- **निगरानी और जवाबदेही:**
  - खेल निदेशक और उप निदेशक को ज़िलों का दौरा करने, स्टेडियम की स्थिति का आकलन करने और आवश्यक सुधारों पर रिपोर्ट संकलित करने के निर्देश दिये गए हैं।
  - उचित प्रशिक्षण मानक सुनिश्चित करने के लिये लापरवाह खेल प्रशिक्षकों की सूची बनाई जाएगी।
- **खेल आयोजनों की योजना और समय-निर्धारण:**
  - **अधिकारियों को वार्षिक खेल कैलेंडर** तैयार करने का निर्देश दिया गया है।
  - एथलीटों को असुविधा से बचाने के लिये प्रतियोगिताओं की मेज़बानी करने वाले किसी भी ज़िले में आयोजनों की तैयारी कम-से-कम एक महीने पहले कर ली जानी चाहिये।

हरियाणा के ग्रामीण स्थानीय निकायों के लिये अनुदान

चर्चा में क्यों ?

केंद्र सरकार ने बिहार, हरियाणा और सिक्किम के ग्रामीण स्थानीय निकायों के लिये **वित्तीय वर्ष 2024-25** के दौरान **पंद्रहवें** वित्त आयोग **(XV FC) अनुदान वितरित किया है।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

वित्त आयोग

- यह एक संवैधानिक निकाय है, जो संवैधानिक व्यवस्था और वर्तमान आवश्यकताओं के अनुसार **केंद्र और राज्यों** के बीच तथा राज्यों के बीच **कर आय के वितरण की विधि और नियम निर्धारित करता है।**
- संविधान के **अनुच्छेद 280 के** तहत भारत के राष्ट्रपति को पाँच वर्ष के अंतराल पर या उससे पहले एक **वित्त आयोग का गठन करना आवश्यक है।**
- प्रथम वित्त आयोग **की** स्थापना वर्ष 1951 में हुई थी और अब तक पंद्रह **वित्त आयोग स्थापित** हो चुके हैं।

15वाँ वित्त आयोग

- एन.के. सिंह की अध्यक्षता में 15वें वित्त आयोग का गठन भारत के राष्ट्रपति द्वारा 27 नवंबर 2017 को योजना आयोग की समाप्ति और वस्तु एवं सेवा कर (GST) लागू होने की पृष्ठभूमि में किया गया था।
- नवंबर 2019 में, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 15वें वित्त आयोग को पहले वित्त वर्ष 2020-21 के लिये अपनी पहली रिपोर्ट प्रस्तुत करने और वित्त वर्ष 2021-22 से 2025-26 तक के लिये अंतिम रिपोर्ट 30 अक्टूबर, 2020 तक प्रस्तुत करने के लिये इसके कार्यकाल को बढ़ाने की मंजूरी दी थी।

मुख्य बिंदु

- **अनुदान का आवंटन:**
  - **हरियाणा:**
    - हरियाणा के ग्रामीण स्थानीय निकायों को **202.47 करोड़ रुपए की अनटाइड अनुदान की दूसरी किस्त प्राप्त हुई।**
    - यह धनराशि 18 पात्र ज़िला पंचायतों, 142 पात्र ब्लॉक पंचायतों और 6,195 पात्र ग्राम पंचायतों के लिये निर्धारित की गई है।
  - **बिहार:**
    - बिहार को **821.80 करोड़ रुपए की अनटाइड ग्रांट की दूसरी किस्त प्राप्त हुई।**
    - ये धनराशि 38 ज़िला पंचायतों, 530 पात्र ब्लॉक पंचायतों और 8,052 पात्र ग्राम पंचायतों को आवंटित की गई है, जिन्होंने रिलीज के लिये अनिवार्य शर्तें पूरी की हैं।
  - **सिक्किम:**
    - सिक्किम को **6.26 करोड़ रुपए की कुल संयुक्त अनुदान की दूसरी किस्त प्राप्त हुई।**
    - ये धनराशि 4 पात्र ज़िला पंचायतों और 186 पात्र ग्राम पंचायतों को आवंटित की गई, जिन्होंने जारी करने के लिये अनिवार्य शर्तें पूरी कीं।
- **अनटाइड एवं टाइड अनुदानों का उपयोग:**
  - **अप्रतिबंधित अनुदान:**
    - पंचायती राज संस्थाएँ और ग्रामीण स्थानीय निकाय इन अनुदानों का उपयोग संविधान की ग्यारहवीं अनुसूची में सूचीबद्ध **29 विषयों के अंतर्गत स्थान-विशिष्ट आवश्यकताओं के लिये कर सकते हैं।**
    - इन अनुदानों का **उपयोग वेतन और स्थापना लागतों के लिये नहीं किया जा सकता।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **बंधे हुए अनुदान:**
  - इन निधियों का **उपयोग बुनियादी सेवाओं के लिये किया जाना चाहिये,** जिनमें शामिल हैं:
    - स्वच्छता और **खुले में शौच से मुक्त (ODF) स्थिति का रखरखाव,** जिसमें **अपशिष्ट प्रबंधन** और मल कीचड़ उपचार शामिल है।
    - पेयजल आपूर्ति, **वर्षा जल संचयन** और **जल पुनर्चक्रण।**

अनुच्छेद 101

चर्चा में क्यों ?

पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने सांसद अमृतपाल सिंह की याचिका पर सुनवाई स्थगित कर दी, जिसमें **संसद में उपस्थित होने की अनुमति मांगी गई थी।**

अनुच्छेद 101(4)

- **प्रमुख प्रावधान:**
  - यदि कोई सांसद बिना अनुमति के लगातार 60 दिनों तक सदन से अनुपस्थित रहता है तो उसकी सीट रिक्त घोषित की जा सकती है।
  - दिनों की गणना **में वह अवधि शामिल नहीं है जब संसद सत्र में नहीं होती।**
  - अध्यक्ष **(लोकसभा)** या **सभापति (राज्यसभा)** अयोग्यता पर निर्णय लेते हैं।
- **उद्देश्य:**
  - विधायी कार्यवाही में सांसदों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना।
  - निर्वाचित प्रतिनिधियों द्वारा **संसदीय ज़िम्मेदारियों की उपेक्षा को** रोकता है।
  - लोकतंत्र में जवाबदेही के सिद्धांत को कायम रखता है।
- **अपवाद एवं विशेष मामले:**
  - सांसद **वैध कारणों, जैसे बीमारी, हिरासत में लिये जाने या अपरिहार्य परिस्थितियों के** कारण **अवकाश के लिये आवेदन कर सकते हैं।**
  - यदि **सदन अनुमति दे देता है तो सांसद अपनी सीट बरकरार रख सकता है।**
  - **कानूनी हिरासत के मामलों** में, यदि आवश्यक हो तो अदालतें उपस्थिति की अनुमति देने के लिये हस्तक्षेप कर सकती हैं।

मुख्य बिंदु

- **अनुपस्थिति पर कानूनी तर्क:**
  - अमृतपाल सिंह के वकील ने तर्क दिया कि याचिका दायर करने की तारीख से वह पहले ही 46 दिनों से अनुपस्थित हैं।
  - **संविधान के अनुच्छेद 101(4)** के अनुसार, **यदि कोई सदस्य बिना अनुमति के 60 दिनों से अधिक समय तक अनुपस्थित रहता है तो संसदीय सीट रिक्त घोषित की जा सकती है।**
  - इस बात पर ज़ोर दिया गया कि इस सीमा तक पहुँचने में केवल छह दिन शेष हैं, जिसके बाद उनकी सदस्यता समाप्त की जा सकती है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **मामले की पृष्ठभूमि:**
  - खडूर साहिब निर्वाचन क्षेत्र से सांसद अमृतपाल सिंह ने पहली बार जनवरी 2025 में अदालत का रुख किया था।
  - उन्होंने अपने निर्वाचन क्षेत्र के विकास संबंधी मुद्दों पर चर्चा करने के लिये **संसद में उपस्थित होने तथा केंद्रीय मंत्रियों से मिलने की अनुमति मांगी।**
  - उनकी याचिका में तर्क दिया गया कि 19 लाख से अधिक लोगों का प्रतिनिधित्व करने वाले एक निर्वाचित सांसद के रूप में उन्हें अपने संसदीय कर्तव्यों को पूरा करने की अनुमति दी जानी चाहिये।

38वाँ सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय शिल्प मेला संपन्न

चर्चा में क्यों ?

केंद्रीय ऊर्जा, आवास और शहरी मामलों के मंत्री ने सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय शिल्प मेले **के 38वें संस्करण के समापन समारोह** की अध्यक्षता की।

मुख्य बिंदु

- **मेले का वैश्विक प्रभाव:**
  - केंद्रीय मंत्री ने **सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय शिल्प मेले के अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व पर ज़ोर दिया।**
  - उन्होंने कहा कि इस **आयोजन ने हरियाणा और भारत को वैश्विक पहचान दिलाई है** और सांस्कृतिक पर्यटन **में मील का पत्थर स्थापित किया है।**

सूरजकुंड मेला

- सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय शिल्प मेला **7 फरवरी से 23 फरवरी 2025 तक आयोजित हुआ।**
- मेले का आयोजन **सूरजकुंड मेला प्राधिकरण** और **हरियाणा पर्यटन** द्वारा केंद्रीय पर्यटन, कपड़ा, संस्कृति एवं विदेश मंत्रालय के सहयोग से किया जाता है।
- यह मेला वर्ष **1987 में कुशल कारीगरों के पूल को बढ़ावा देने के लिये शुरू किया गया था,** जो कि स्वदेशी तकनीक का इस्तेमाल करते थे, लेकिन ये लोग सस्ते मशीन-निर्मित उत्पादों के कारण पीड़ित थे।
  - इस मेले को वर्ष 2013 में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के मेले रूप में अपग्रेड किया गया था।
- सूरजकुंड मेला भारत के हस्तशिल्प, हथकरघा **और** सांस्कृतिक विरासत की समृद्धि एवं विविधता को प्रदर्शित करता है, इसके साथ ही यह विश्व का सबसे बड़ा शिल्प मेला है।

- **सांस्कृतिक और आर्थिक महत्व:**
  - मेले को **'कला और शिल्प का महाकुंभ' बताते हुए उन्होंने कलाकारों और आगंतुकों के बीच सीधे संपर्क को बढ़ावा देने** में इसकी भूमिका पर प्रकाश डाला।
  - यह मेला **भारत की समृद्ध विरासत और** सांस्कृतिक विविधता **को** बढ़ावा देता है तथा दुनिया भर से कारीगरों और पर्यटकों को आकर्षित करता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक एकता को सुदृढ़ बनाना:**
  - **उन्होंने** राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक अखंडता **को** बढ़ाने में मेले की भूमिका की सराहना की।
- **भागीदारी और पुरस्कार:**
  - समापन समारोह में विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट कारीगरों को पुरस्कार प्रदान किये गये।
  - 38वें आयोजन में भारत और विदेश से 1,600 से अधिक कारीगरों ने भाग लिया तथा लगभग 15 लाख आगंतुक आए।

अरावली जंगल सफारी

चर्चा में क्यों ?

हरियाणा के पर्यावरण, वन एवं वन्यजीव **मंत्री ने लोगों से** विश्व वन्यजीव दिवस पर लुप्तप्राय वन्यजीवों की रक्षा करने का संकल्प लेने का आग्रह किया। **विश्व वन्यजीव दिवस** पर सफारी शुरू करने के लिये **जंगल सफारी** और **अरावली ग्रीन वॉल परियोजना** के प्रयास चल रहे हैं।

मुख्य बिंदु

- **सफ़ारी परियोजना का क्रियान्वयन:**
  - प्रारंभ में सफारी परियोजना के लिये पर्यटन विभाग ज़िम्मेदार था, लेकिन मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अब इसका क्रियान्वयन वन एवं वन्यजीव विभाग को सौंप दिया है।
  - विभाग इस परियोजना पर तेज़ी से प्रगति कर रहा है।
- **परियोजना नियोजन के लिये अध्ययन दौरे:**
  - मंत्री ने विभागीय अधिकारियों के साथ सर्वोत्तम प्रथाओं का अध्ययन करने के लिये **नागपुर (महाराष्ट्र) में गोरेवाड़ा वन्यजीव सफारी** और **जामनगर (गुजरात) में वंतारा परियोजना का दौरा किया।**

- **विश्व वन्यजीव दिवस**
  - यह दिवस 2013 से हर वर्ष 3 मार्च को मनाया जाता है।
  - **यह तिथि** वन्य जीव और वनस्पति की लुप्तप्राय प्रजातियों के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर कन्वेंशन (CITES) के दिन से मेल खाती है, जिस पर वर्ष 1973 में हस्ताक्षर किये गए थे।
  - UNGA (महासभा) के प्रस्ताव ने सीआईटीईएस सचिवालय को यूएन (संयुक्त राष्ट्र) कैलेंडर पर वन्यजीवों के लिये इस विशेष दिन के वैश्विक पालन के लिये सुविधाकर्ता के रूप में भी नामित किया।
- **महत्त्व:**
  - यह **संयुक्त राष्ट्र** सतत विकास लक्ष्य **1, 12, 14 और 15 के अनुरूप है, तथा गरीबी** उन्मूलन, संसाधनों का सतत उपयोग सुनिश्चित करने, तथा जैवविविधता की हानि को रोकने के लिये भूमि और जल के नीचे जीवन के संरक्षण पर उनकी व्यापक प्रतिबद्धताओं के अनुरूप है।
  - हमारा ग्रह इस समय जैवविविधता की हानि की चुनौती का सामना कर रहा है और यदि असंतुलित मानवीय गतिविधियों, जलवायु परिवर्तन और आवास क्षरण पर नियंत्रण नहीं किया गया तो आने वाले दशकों में दस लाख से अधिक प्रजातियाँ लुप्त हो सकती हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **अरावली ग्रीन वॉल परियोजना:**
  - इस परियोजना का उद्देश्य हरियाणा, राजस्थान, गुजरात और दिल्ली में 1.15 मिलियन हेक्टेयर से अधिक भूमि को पुनर्स्थापित करना है, जिससे बहु-राज्यीय सहयोग को बढ़ावा मिलेगा।
- **प्रमुख उद्देश्यों में शामिल हैं:**
  - देशी वृक्ष प्रजातियों के साथ वनरोपण
  - जैवविविधता संरक्षण
  - मृदा स्वास्थ्य बहाली
  - भूजल पुनर्भरण में वृद्धि

पगड़ी संभाल जट्टा आंदोलन

चर्चा में क्यों ?

23 फरवरी 2025 को **पंजाब और हरियाणा की सीमाओं पर प्रदर्शन कर रहे किसानों ने** स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह **के** चाचा **अजीत सिंह को** सम्मानित करने के लिये पगड़ी संभाल दिवस मनाया।

मुख्य बिंदु

- **अजीत सिंह के बारे में:**
  - **जन्म और प्रारंभिक जीवन:** अजीत सिंह का **जन्म 23 फरवरी, 1881 को खटकर कलां गाँव, पंजाब** (अब शहीद भगत सिंह नगर ज़िले का हिस्सा) में हुआ था।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **स्वतंत्रता सेनानी और क्रांतिकारी:** वह एक **प्रमुख राष्ट्रवादी नेता थे** और उन्होंने अपने भतीजे भगत सिंह को प्रेरित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।
- **निर्वासन और संघर्ष:** पगड़ी संभाल जट्टा आंदोलन में उनकी भूमिका के कारण, अंग्रेज़ो ने उन्हें निशाना बनाया और **1909 से 1947 तक निर्वासन में रहने के लिये मजबूर किया।**
- **वापसी और मृत्यु:** वे **मार्च 1947 में भारत लौट आए** लेकिन 15 अगस्त 1947 को डलहौज़ी में अस्वस्थता के कारण उनकी मृत्यु हो गई। यह वही दिन था जब भारत स्वतंत्र हुआ था।

- **पगड़ी संभाल जट्टा आंदोलन:**
  - **प्रारंभ और अर्थ:** अजीत सिंह ने वर्ष 1907 में अंग्रेज़ो द्वारा लगाए गए तीन दमनकारी कृषि कानूनों के विरोध में **आंदोलन शुरू किया।**
  - **"पगड़ी संभाल जट्टा"** वाक्यांश का अर्थ है "अपनी पगड़ी का ध्यान रखना, हे किसान", जो आत्म-सम्मान और सम्मान का प्रतीक है।
- **दमनकारी कानून:**
  - पंजाब भूमि हस्तांतरण अधिनियम, 1900 - किसानों के भूमि बेचने या गिरवी रखने के अधिकार को प्रतिबंधित कर दिया गया, जिससे ज़मींदारों और साहूकारों को लाभ हुआ।
  - पंजाब भूमि उपनिवेशीकरण अधिनियम, 1906 - चिनाब कॉलोनी (अब पाकिस्तान में) में किसानों के उत्तराधिकारियों के बजाए अंग्रेज़ो को भूमि स्वामित्व हस्तांतरित कर दिया गया।
  - दोआब बारी अधिनियम, 1907 - किसानों से भूमि स्वामित्व के अधिकार छीन लिये गए तथा उन्हें ठेका मज़दूर बना दिया गया।
  - **अतिरिक्त बोझ:** अंग्रेज़ो ने कृषि भूमि और सिंचाई जल पर भी कर बढ़ा दिया, जिससे छोटे किसानों पर व्यापक ऋण और भूमि हानि बढ़ गई।
- **आंदोलन का प्रभाव:**
  - **बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन:** इस आंदोलन के कारण बड़े पैमाने पर किसानों ने अन्यायपूर्ण कानूनों को निरस्त करने की मांग की।
  - भारत माता सोसाइटी **का गठन:** अजीत सिंह और किशन सिंह (भगत सिंह के पिता) ने **भारत माता सोसाइटी की स्थापना की**, जो किसानों का समर्थन करने वाला एक क्रांतिकारी समूह था।
  - **नारा:** राष्ट्रवादी **कवि बांके दयाल ने "पगड़ी संभाल जट्टा" का नारा गढ़ा,** जो अवज्ञा का प्रतीक बन गया।
  - **ब्रिटिश प्रतिक्रिया:** बढ़ते दबाव के कारण ब्रिटिशों ने कुछ दमनकारी धाराएँ वापस ले लीं।
  - **भविष्य के आंदोलनों पर प्रभाव:** इस आंदोलन ने भविष्य के विद्रोहों की नींव रखी तथा **गदर आंदोलन** और भगत सिंह की क्रांतिकारी गतिविधियों को प्रेरित किया।
  - **गिरफ्तारी और निर्वासन:** मई 1907 में, अजीत सिंह और लाला लाजपत राय **को** गिरफ्तार कर लिया गया और बर्मा (अब म्यांमार) निर्वासित कर दिया गया, लेकिन जनता के दबाव के कारण नवंबर 1907 में उन्हें रिहा कर दिया गया।
    - बाद में अजीत सिंह **फारस, तुर्की, ब्राज़ील, जर्मनी और इटली चले गए** और लाला हरदयाल और मैडम कामा जैसे क्रांतिकारियों के साथ काम किया।
- पगड़ी संभाल दिवस:
  - किसान वर्ष **2021 से 23 फरवरी को पगड़ी संभाल दिवस के रूप में मना रहे हैं,** जो अजीत सिंह की जयंती के साथ मेल खाता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **वर्ष 2021 किसान विरोध प्रदर्शन:** दिल्ली सीमा पर विरोध प्रदर्शन के दौरान, किसानों ने **तीन कृषि कानूनों** (अब समाप्त) को निरस्त करने की मांग करते हुए **पगड़ी संभाल दिवस** मनाया।
- **2024 विरोध प्रदर्शन: 13 फरवरी, 2024 से किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य को** कानूनी गारंटी और अन्य अधिकारों की मांग को लेकर पंजाब और हरियाणा की सीमाओं पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

हरियाणा ने त्रिभाषा फार्मूला अपनाया

चर्चा में क्यों ?

हरियाणा सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के अनुसार, भिवानी **विद्यालय शिक्षा बोर्ड** के अंतर्गत आने वाले स्कूलों में **त्रिभाषा फार्मूला लागू किया है।**

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

- **परिचय:**
  - राष्ट्रीय **शिक्षा नीति (NEP) 2020 का उद्देश्य भारत की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करते हुए 21वीं सदी के लक्ष्यों** और सतत विकास लक्ष्य **4 (SDG 4) को** पूरा करने के लिये शिक्षा प्रणाली में सुधार करके भारत की उभरती विकास आवश्यकताओं को पूरा करना है।
  - इसने **राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 1986 का स्थान लिया, जिसे वर्ष 1992** में संशोधित किया गया था।
- **मुख्य विशेषताएँ:**
  - **सार्वभौमिक पहुँच:** इसका उद्देश्य **पूर्वस्कूल से लेकर माध्यमिक स्तर तक शिक्षा तक पहुँच प्रदान करना है।**
  - **प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा: 10+2 से 5+3+3+4** प्रणाली में परिवर्तन, जिसमें **प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा पर ज़ोर देते हुए 3-6 वर्ष की आयु के बच्चों को** स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा।
  - **बहुभाषावाद: कक्षा 5** तक **शिक्षा के माध्यम** के रूप में मातृभाषा **या क्षेत्रीय भाषाओं के** उपयोग को बढ़ावा दिया जाएगा, जिसमें **संस्कृत** और अन्य भाषाओं के लिये विकल्प भी शामिल होंगे। **भारतीय सांकेतिक भाषा को** मानकीकृत किया जाएगा।
  - **समावेशी शिक्षा:** सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित समूहों, विकलांग बच्चों और **"बाल भवनों" की स्थापना** के लिये समर्थन पर ज़ोर दिया जाता है।
  - **सकल नामांकन अनुपात वृद्धि: वर्ष 2035** तक **सकल नामांकन अनुपात को 26.3%** से बढ़ाकर **50%** करने का लक्ष्य, **3.5 करोड़ नई सीटें** जोड़ना।

मुख्य बिंदु:

- **कक्षा 9वीं और 10वीं** के विद्यार्थियों को **अंग्रेज़ी** और **हिंदी भाषाएँ** अनिवार्य रूप से पढ़नी होंगी, जबकि **तीसरी भाषा के लिये उन्हें तीन भाषाओं में से एक अर्थात संस्कृत, पंजाबी या उर्दू** चुनने का विकल्प होगा।
  - अन्य अनिवार्य विषयों में **गणित, विज्ञान** और **सामाजिक विज्ञान शामिल हैं।**
- **इन विद्यार्थियों को व्यावसायिक विषयों,** शारीरिक शिक्षा, चित्रकला, संगीत आदि में से एक विषय चुनने का विकल्प होगा।
- आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि नया विषय संयोजन शैक्षणिक सत्र **2025-26 से कक्षा IX में लागू होगा और तत्पश्चात** शैक्षणिक सत्र **2026-27 से कक्षा IX और X** दोनों के लिये लागू होगा।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **पंजाबी शिक्षकों और भाषा संवर्द्धन सोसायटी ने** इस निर्णय का स्वागत किया।
- हरियाणा NEP 2020 के तहत **त्रिभाषा फार्मूला लागू करने वाला पहला राज्य है।**
- **अतिरिक्त सुधारों की मांग**
- पंजाबी अध्यापक लंबे समय से पदोन्नति का इंतजार कर रहे हैं और उन्होंने आग्रह किया कि उन्हें योग्यता के आधार पर पदोन्नति दी जाए।
- उन्होंने सरकार से हरियाणा बोर्ड के स्कूलों में कक्षा 9 से 12 तक CBSE पंजाबी पाठ्यक्रम लागू करने का आग्रह किया।
- पंजाबी भाषी ज़िलों (पंचकूला, अंबाला, कुरुक्षेत्र, यमुनानगर, फतेहाबाद, सिरसा, करनाल, कैथल) में पंजाबी शिक्षकों की नियुक्ति।
- इन ज़िलों के लिये शिक्षक स्थानांतरण अभियान में प्राथमिकता।
- **राष्ट्रीय शिक्षा नीति NEP), 2020** के अनुरूप इन ज़िलों में **कक्षा III** से **पंजाबी को** एक **विषय के रूप में** शुरू किया जाएगा।

ED ने हरियाणा में क्रिप्टोकरेंसी ज़ब्त की

चर्चा में क्यों ?

प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने एक निवेश घोटाले से संबंधित हरियाणा में छह स्थानों पर तलाशी के बाद 17.20 करोड़ रुपए की **क्रिप्टोकरेंसी** ज़ब्त की।

मुख्य बिंदु

- **क्रिप्टोकरेंसी की ज़ब्ती:**
  - ED को पता चला कि **क्रिप्टोकरेंसी कई वॉलेट्स में संगृहीत थी।**
  - कथित मास्टरमाइंड और उसके सहयोगी इन वॉलेट्स के मालिक थे और उनका प्रबंधन करते थे।
  - अधिकारियों ने तलाशी के दौरान कई मोबाइल फोन ज़ब्त किये, जिनमें क्रिप्टोकरेंसी वॉलेट तक पहुँचने के लिये इस्तेमाल किये जाने वाले **कई ऐप थे।**
- **जाँच का आधार:**
  - यह जाँच हरियाणा पुलिस द्वारा दर्ज की गई **प्रथम सूचना रिपोर्ट (FIR)** पर आधारित है।
  - एक पीड़ित की शिकायत ने भी जाँच शुरू करने में मदद की।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

प्रवर्तन निदेशालय (ED)

- ED एक **बहु-विषयक संगठन है, जिसका कार्य धन शोधन और विदेशी मुद्रा कानूनों के उल्लंघन** के अपराधों की जाँच करना है।
  - यह **वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग के अधीन कार्य करता है।**
- भारत सरकार की एक प्रमुख वित्तीय जाँच एजेंसी के रूप में, ED **भारत के संविधान और कानूनों का कड़ाई से अनुपालन करते हुए कार्य करती है।**

प्रथम सूचना रिपोर्ट (FIR)

- **प्रथम सूचना रिपोर्ट (FIR)** एक लिखित दस्तावेज़ है, **जो पुलिस द्वारा तब तैयार किया जाता है जब उन्हें किसी संज्ञेय अपराध के घटित होने की सूचना प्राप्त होती है।**
  - संज्ञेय **अपराध** वह है, जिसमें पुलिस किसी व्यक्ति को बिना वारंट के गिरफ्तार कर सकती है।
  - FIR शब्द को **भारतीय दंड संहिता (IPC), दंड प्रक्रिया संहिता (CRPC),** 1973 या किसी अन्य कानून में **परिभाषित नहीं किया गया है, लेकिन पुलिस विनियमों या नियमों में, CRPC की धारा 154 के तहत दर्ज की गई जानकारी** को प्रथम सूचना रिपोर्ट (FIR) के रूप में जाना जाता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :